पहल | केंद्र सरकार ने शुरू की योजना, लखनऊ के रहमान खेड़ा में बनाया गया मुख्य केंद्र

हार्टी स्टार्टअप से युवाओं को मिलेगा रोजगार

■ अजीत कुमार

लखनऊ। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार ने हार्टी स्टार्टअप शुरू किया है। इसका मुख्य केन्द्र लखनऊ के रहमानखेड़ा स्थित केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान को बनाया गया है। देश भर के ऐसे युवा जिनके पास उद्यान के क्षेत्र में नया आइडिया या नवाचार है तो उन्हें सीआईएसएच हार्टी स्टार्टअप के लिए न सिर्फ तैयार करेगा बल्कि मार्केट में अलग पहचान बनाने में भी पूरी मदद करेगा।

केन्द्रीय सहायता से शुरू इस अभिनव प्रयास को संस्थान के एग्री बिजनेस इन्कूबेशन परियोजना के तहत 'उद्यानोदय-1' नाम दिया गया है।

22 हार्टी स्टार्टअप फिलहाल काम कर रहे हैं यूपी में

■ इसमें से छह पूरी तरह प्रशिक्षित हो फील्ड में उतर चुके हैं

पारंगत कर फील्ड में उतारे जायेंगे युवा: चयनित युवाओं को सीआईएसएच में ही एक माह का सघन प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में कंपनी का निर्माण कैसे होगा, इसमें पार्टनरशिप किस प्रकार की जाएगी, इसका डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) कैसे तैयार होगा, किस बैंक को अप्रोच करना लाभप्रद होगा या फिर कहां से फंडिंग हो सकती है आदि की जानकारी दी जाएगी। ट्रेनिंग के बाद स्टार्टअप शुरू करने पर मार्केटिंग में भी मदद करेगा। हार्टी स्टार्टअप के लिये युवाओं का चयन करते समय आईआईटी एवं आईएएम के विशेषज्ञों द्वारा सबसे पहले इनोवेशन के स्तर की जानकारी ली जाएगी। साथ ही स्किल है या नहीं, काम करने का जज्बा या जुनून है या नहीं इसकी जानकारी की जाएगी।

क्या कहते हैं परियोजना से जुड़े विशेषज्ञ

सीआईएसएच स्थित एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेन्टर के प्रधान अन्वेषक डा. मनीष मिश्रा कहते हैं- 'संस्थान में हार्टी स्टार्टअप के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो चुका है। फिलहाल 22 स्टार्टअप काम कर रहे हैं, जिनमें से छह पूरी तरह से प्रशिक्षित और परिपक्व हो फील्ड में उतर चुके हैं। जिन युवाओं का चयन होगा उनको संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा एक साल तक शोध, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, ब्रांडिंग और प्रोडक्ट के प्रमोशन एवं वितीय अवसर के क्षेत्र में उचित मार्गदर्शन दिया जायेगा।